|| Shree Ganeshaya Namaha ||

Sample PDF Reports

Kundali Veda

kundaliveda.com

Your Astrology Partner

जड़ी सुझाव रिपोर्ट

सुझाव

हमारे वातावरण में कई प्रकार की जड़ियाँ पाई जाती हैं जिनको विशेष उद्देश्य और लाभ के लिए धारण किया जाता है। इनमें से आपके लिए कौनसी जड़ी उपयुक्त होगी? इस प्रश्न का उत्तर आपकी जन्म कुंडली के अध्ययन के पश्चात ही मिल सकता है। इसके लिए आपको ज्योतिषीय परामर्श लेने की आवश्यकता होगी। जड़ी को धारण करने के पश्चात आपको उसका प्रभाव दिखने लगेगा। यहाँ हम आपको बताएंगे कि कौनसी जड़ किस ग्रह के लिए प्रयोग में लाई जाती है।

अनंतमूल

अभी खरीदें

जड़ी: महत्व और सुझाव रिपार्ट

भारत के प्राचीन ऋषि मुनियों ने वृक्ष और पौधों के गुणों को देखकर इनका उपयोग मानव जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिये किया। जिन पेड़-पौधों में औषधीय गुण विद्यमान होते हैं उन्हें आयूर्वेद विज्ञान में जड़ी-बूटी कहा जाता है। आयुर्वेद के साथ-साथ ज्योतिष शास्त्र में भी जड़ी-बूटियों का बहुत महत्व है। ज्योतिषी अक्सर लोगों की परेशानियों को दूर करने के लिए उन्हें जड़ी का इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं। यदि आपकी कुंडली में कोई ग्रह नकारात्मक है तो उसके नकारात्मक प्रभावों को दूर करने के लिए ज्योतिषियों द्वारा ग्रह से संबंधित जड़ी का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। ज्तोतिष में नौ ग्रहों के अनुसार व्यक्ति के भूत और भविष्य काल के बारे में बताया जाता है। प्रत्येक ग्रह का किसी न किसी जड़ी से संबंध होता है। जड़ियां रत्नों से बहुत कम दाम में मिल जाती हैं और रत्नों की ही तरह इनसे भी ग्रहों की नकारात्मकता को दूर किया जा सकता है। हम आपकी कुंडली का आकलन करके आपके लिये कौन सी जड़ी उपयोगी सिद्ध होगी इसके बारे में बताते हैं।

अनंतमूल

वैदिक ज्योतिष के अनुसार अनंत मूल का संबंध मंगल ग्रह से है। मंगल ग्रह को ऊर्जा, साहस, जोश और दृढ़शक्ति का कारक माना जाता है। मंगल ग्रह सेना, पुलिस तथा अाधिकारिक पद को दर्शाता है। मंगल ग्रह आपको शत्रुओं से लड़ने की ताक़त प्रदान करता है तथा प्रतियोगिता में सफलता दिलाता है। यदि आपकी जन्म कुंडली में मंगल अशुभ स्थान पर बैठा हो तो उसके नकारात्क प्रभाव से बचने के लिए

अनंतमूल की जड़ को धारण किया जाता है। यह जड़ी मंगल के शुभ प्रभावों में वृद्धि करती है। जड़ी को धारण करने के बाद व्यक्ति का साहस बढ़ता है और वह निडर होकर कार्य करता है। यदि आप किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो यह जड़ी आपके लिए बहुत मददगार साबित होगी।

अनंत मूल को धारण करने की विधि

- जड़ को गले अथवा बाजू में धारण कर सकते हैं।
- जड़ को धारण करने से पूर्व इसे गंगाजल अथवा कच्चे दूध से शुद्ध करें।
- फिर हनुमान जी को लाल पुष्प, धूप-दीप, अगरबत्ती अर्पित करते हुए "ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः" मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए।

इस विधि को करने के बाद जड़ को मंगलवार अथवा मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा नक्षत्र में धारण करना श्रेष्ठकर होता है।

शुद्ध और वास्तविक जड़ियों का महत्व

आजकल बाज़ार में बिरले ही प्राकृतिक जड़ियाँ मिलती हैं। क्योंकि मार्केट में नकली जड़ियों की भरमार है। ध्यान रहे, नकली जड़ी और असली जड़ी में आम इंसान के लिए इनके बीच के अंतर को पहचान पाना मुश्किल होता है और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से नकली जड़ियों का कोई महत्व नहीं है। लेकिन हमारे पास 100 फीसदी प्राकृतिक एवं शुद्ध जड़ियाँ उपलब्ध हैं जिसे धारण कर आप इसके ज्योतिषीय लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हमारे जड़ियों की वास्तविकता को लैब द्वारा प्रमाणित किया जाता है।

Kundali Veda

Thank You

Refer and Earn 20% Commission

For More Details Mail or Call us at +91-9693579531

Email - kundaliveda@gmail.com

www.kundaliveda.com